

## एआई-आईओटी सक्षम जूट ग्रेडिंग प्रणाली का प्रदर्शन/ Demonstration of AI-IoT enabled Jute grading system

18 सितंबर, 2024, कोलकाता/ September 18, 2024, Kolkata:

डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता ने 18 सितंबर, 2024 को जूट प्रौद्योगिकी मिशन को अंतिम रूप देने के लिए भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय की संयुक्त सचिव (फाइबर) श्रीमती प्राजक्ता एल. वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हितधारकों की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान, संस्थान ने संयुक्त सचिव श्रीमती प्राजक्ता एल. वर्मा के समक्ष एआई-आईओटी-सक्षम जूट ग्रेडिंग प्रणाली का लाइव प्रदर्शन किया; श्री मोलॉय चंदन चक्रवर्ती, जूट आयुक्त, जूट आयुक्त कार्यालय; श्री ए.के. जॉली, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय जूट बोर्ड (कोलकाता); श्री नीरज कुल्हारी, उप जूट आयुक्त, जूट आयुक्त कार्यालय। श्री शशि भूषण सिंह, आईआरटीएस, सचिव, राष्ट्रीय जूट बोर्ड (कोलकाता); आईजेएमए के अध्यक्ष इस प्रणाली से फाइबर की ग्रेडिंग के लिए एक पारदर्शी तंत्र के रूप में काम करने और किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने की उम्मीद है।

Dr. D.B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET, Kolkata participated in a stakeholders' meeting chaired by Smt. Prajakta L. Verma, Joint Secretary (Fibre), Ministry of Textiles, Government of India, to finalize the Jute Technology Mission on 18<sup>th</sup> September, 2024. During the meeting, the institute has conducted a live demonstration of the AI-IoT-enabled jute grading system to Smt. Prajakta L. Verma, Joint Secretary; Mr. Moloy Chandan Chakraborty, Jute commissioner, office of Jute commissioner; Shri A.K. Jolly, Managing Director, National Jute Board (Kolkata); Shri Neeraj Kulhari, Deputy Jute Commissioner, office of Jute commissioner. Shri Shashi Bhushan Singh, IRTS, Secretary, National Jute Board (Kolkata); the President of IJMA; and other representatives of the jute industry. The Joint Secretary (Fibre), Ministry of Textiles, commended the system's performance and recommended promoting the technology. This system is expected to serve as a transparent mechanism for grading fiber, ensuring fair pricing for farmers.



*(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)*